

क्रमांक 2027

5 मार्च, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

वेटरनरी विश्वविद्यालय में वेटरनरी व मेडिसिन फोरेन्सिक मेडिसिन पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस शुरू

वेटरनरी और मेडिकल फोरेन्सिक मेडिसिन में

साझा कार्य और अनुसंधान आवश्यक

300 प्रतिनिधि कर रहे शिरकत



बीकानेर, 5 मार्च। देश के वेटरनरी और मेडिकल क्षेत्र के विधि चिकित्सा शास्त्रियों की पहली दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस शनिवार को वेटरनरी विश्वविद्यालय के सभागार में प्रारम्भ हो गई। राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में "पशुचिकित्सा और मेडिकल फोरेन्सिक मेडिसिन में नए क्षितिज" विषय पर देश भर से 300 विषय विशेषज्ञ शिरकत कर रहे हैं। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि शिवबाड़ी मठ के अधिष्ठाता संवित् सोमगिरी महाराज ने वैज्ञानिकों से कहा कि किसी भी विषय के ऑब्जरवेशन में आदर और कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। हमें अपने चहुँवातावरण और कार्य में एकाकार होने का भाव जाग्रत करना चाहिए इसी से दृष्टिकोण में बदलाव होगा और निश्चय ही सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि पशुओं के महत्व को समझने में हम गलती कर रहे हैं। "सम्पूर्ण जीव जगत—एक लिविंग है" मानते हुए कार्य करने से ही सार्थक परिणाम आयेंगे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत ने कहा कि पर्यावरण, पशु और मनुष्य को लेकर 'एक स्वास्थ्य' (वन हैल्थ) पर कार्य और अनुसंधान का समय आ गया है। वेटरनरी विश्वविद्यालय ने इसी सोच के चलते पहली बार वेटरनरी और मेडिकल फोरेन्सिक मेडिसिन पर राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाली बीमारियों और विधिक अनुसंधान की विपुल संभावनाएं हैं। पशुचिकित्सा और आर्युविज्ञान में विधिक चिकित्सा



जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com



के प्रयासों से अपराध नियंत्रण, स्वस्थ मनुष्य और पशुओं का कल्याण बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। कुलपति प्रो. गहलोत ने बताया कि वेटरनरी विश्वविद्यालय ने राज्य में इस ओर पहल करके आधुनिक और उन्नत किस्म की पशु आहार एवं चारा और दुग्ध-जांच प्रयोगशालाओं की स्थापना की है। विश्वविद्यालय में बायोटेक्नोलॉजी और इन्फॉरमेटिक की भी उन्नत प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक अनुसंधान किया जा रहा है। समारोह में विशिष्ट अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पूर्व सहायक महानिदेशक (शिक्षा) प्रो. जे.एस. भाटिया ने कहा कि राजस्थान वेटरनरी विश्वविद्यालय ने 5 साल के अल्पकाल में ही देश भर में एक अव्वल स्थान बनाया है। इसके संघटक महाविद्यालय में 1960 में ही 'ज्यूरिप्रुडेन्स' विषय पर पहली पुस्तक का प्रकाशन किया गया। राज्य सरकार के निरंतर सहयोग से विश्वविद्यालय ने नवाचारों को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में शिक्षा के परिदृश्य में बदलाव आ रहा है अतः विविधिकरण जरूरी हो गया है। फोरेन्सिक मेडिसिन समय की आवश्यकता है क्योंकि यह मनुष्य और पशुओं के कल्याण से संबंध रखती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की उपयोगिता बहुत ज्यादा है अतः इसके नतीजों और अनुसंधान का उपयोग व्यापक जनहित में किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के आयोजन सचिव प्रो. ए.पी. सिंह ने बताया कि सेमिनार में विषय के विभिन्न पक्षों पर 5 तकनीकी सत्रों में वर्तमान स्थिति में पशुचिकित्सा और मेडिसिन फोरेन्सिक, वन्य प्राणी फोरेन्सिक मेडिसिन, रोग निदान और टॉक्सीकोलॉजी, पशुओं से संबंधित विधिक मामलों, पशु कल्याण और क्रूरता जैसे मामलों को न्याय शास्त्र के अनुकूल निपटाने के मामलों पर चर्चा हो रही है। समारोह के प्रारम्भ में वेटरनरी महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. त्रिभुवन शर्मा ने स्वागत भाषण किया और राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। समारोह में अतिथियों ने देश भर से प्राप्त विषय के अनुसंधान निष्कर्षों पर आधारित एक पुस्तिका का विमोचन किया। प्रो. हेमन्त दाधीच ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. मनीषा माथुर ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न फार्मास्यूटिकल्स द्वारा वेटरनरी मेडिसिन उत्पादों का प्रदर्शन किया।

प्रथम तकनीकी सत्र

राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए.के. गहलोत ने "पशुचिकित्सा और चिकित्सा विज्ञान के बीच तालमेल-समय की आवश्यकता" विषय पर अपना मुख्य प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किया। इसी सत्र में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के फोरेन्सिक वैज्ञानिक डॉ. राजिन्दर सिंह ने "बालों की फोरेन्सिक जांच द्वारा वन्य जीवों की पहचान" विषय पर और राजस्थान फोरेन्सिक लेबोरेट्री जोधपुर की विषय विशेषज्ञ डॉ. शालू मलिक ने "फोरेन्सिक टॉक्सीकॉलॉजी एण्ड रिसेन्ट एडवांसमेन्ट" विषय पर, राजुवास जयपुर की पशुधन उत्पादन प्रबंधन की प्रोफेसर संजीता शर्मा ने "एडवान्सेज इन मिल्क क्वालिटी एण्ड सेफ्टी" विषय पर अपने लीड पेपर प्रस्तुत किए।

समन्वयक
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ